https://sscstu

बजट

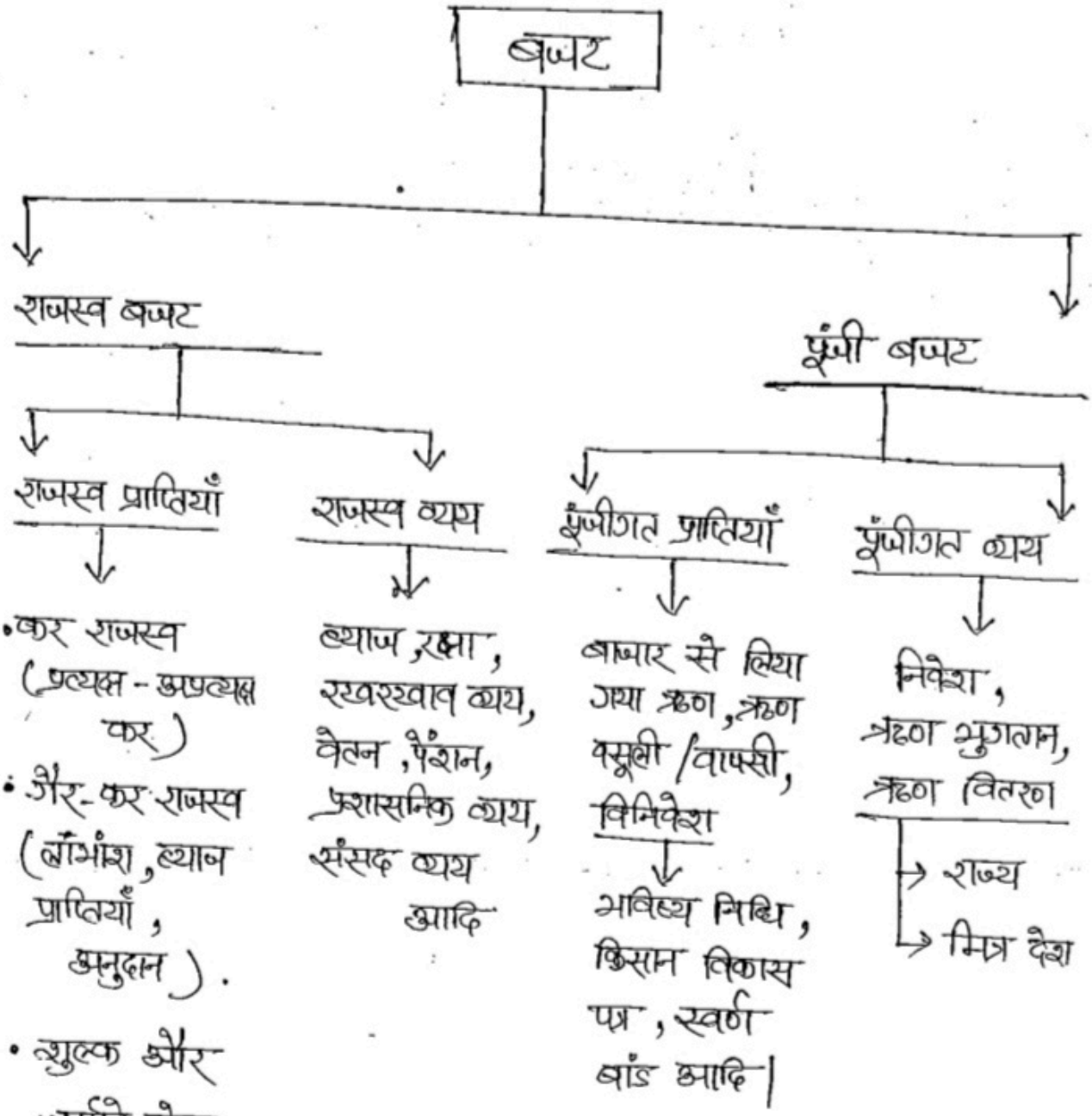

- **राजस्व बजट**
  - **राजस्व प्राप्तियाँ**
    - कर राजस्व (प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष कर)
    - गैर-कर राजस्व (लाभांश, ब्याज प्राप्तियाँ, अनुदान).
    - शुल्क और जुर्माने से आय, स्पेक्ट्रम निलामी से प्राप्त आय.
  - **राजस्व व्यय**
    - ब्याज, रक्षा, रखरखाव व्यय, वेतन, पेंशन, प्रशासनिक व्यय, संसद व्यय आदि
- **पूंजी बजट**
  - **पूंजीगत प्राप्तियाँ**
    - बाजार से लिया गया ऋण, ऋण वसूली/वापसी, विनिवेश
      - → भविष्य निधि, किसान विकास पत्र, स्वर्ण बांड आदि।
  - **पूंजीगत व्यय**
    - निवेश, ऋण भुगतान, ऋण वितरण
      - → राज्य
      - → मित्र देश

Q. राजस्व प्राप्तियाँ क्या है?

→ वे सरकारी प्राप्तियाँ जिनकी उत्पत्ति के लिए सरकार को सार्वजनिक संपत्ति नहीं बेचनी पड़े और न ही सार्वजनिक देयताएँ बढ़ानी पड़े।

(उधार लेते है ← / जमा ←)

Q. पूंजीगत प्राप्तियाँ क्या है?

→ वे प्राप्तियाँ जिनकी उत्पत्ति के लिए या तो सार्वजनिक संपत्तियाँ बेचनी पड़े या सार्वजनिक देयताएँ बढ़ानी पड़े।

सरकार के व्यय / खर्च

योजनागत व्यय (Plan Expenditure)

- केन्द्र सरकार द्वारा पंच वर्षीय, केन्द्रीय एवं राज्य की योजनाओं के लिए किया गया व्यय ।
- ये उत्पादक प्रकृति के व्यय हैं ।

गैर-योजनागत व्यय (Non-plan Expenditure)

- ब्याज अदायगी, सब्सीडी, रक्षा व्यय, वेतन, पेंशन आदि ।

- राजस्व व्यय > पूँजीगत व्यय
- गैर-योजनागत व्यय > योजनागत व्यय

* सी॰ रंगराजन समिति की सिफारिशों पर सरकार ने व्यय के इस वर्गीकरण को समाप्त कर दिया है।

विकासात्मक व्यय –

बाँध, पुल, कारखाने, रेलवे, सड़क आदि ।

गैर-विकासात्मक व्यय –

वेतन, पेंशन, ब्याज अदायगी, रक्षा व्यय आदि ।

* **योजनागत खर्च का कार्य** ·

→ पहले देखता था —— योजना आयोग [पुर्न संरचना – नीति आयोग].

→ अब देखता है —— नीति आयोग नहीं बल्कि

सरकारी घाटे

i) राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) —

↓

कुल व्यय — कुल प्राप्तियाँ (ऋण ग्रहण को छोड़कर)

↓ ↓

(राजस्व + पूंजीगत) (राजस्व + पूंजीगत)

ii) राजस्व घाटा (Revenue Deficit) —

↓

राजस्व व्यय — राजस्व प्राप्तियाँ

iii) पूंजीगत घाटा (Capital Deficit) —

↓

पूंजीगत खर्च — पूंजीगत प्राप्तियाँ

iv) बजट घाटा —

कुल खर्चे — कुल प्राप्तियाँ (बाजार से उधार और अन्य देयताओं को भी सम्मिलित किया गया हो।).

→ बजट घाटे को पूरा करना —

i) RBI से उधार लेकर

ii) RBI के पास पड़ा हुआ Cash Balance कम करना।